प्रेस विज्ञप्ति

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली
4 फ़रवरी 2023

6-8 फरवरी 2023 को लखनऊ में छठी एससीओ - साई नेताओं की बैठक हो रही है

सदस्य देशों के सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों के प्रमुख भाग ले रहे हैं

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल मुख्य अतिथि होंगे

आपसी क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की स्थापना 15 जून 2001 को शंघाई में की गई थी। इसका गठन शंघाई सहयोग संगठन की घोषणा के साथ चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं द्वारा किया गया था। यद्यपि भारत को 2005 में एससीओ में 'पर्यवेक्षक' का दर्जा दिया गया था, 2017 में ऐतिहासिक अस्ताना शिखर सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बन गया था ।

वर्तमान में, भारत एससीओ की अध्यक्षता कर रहा है, जो कि वार्षिक रूप से सदस्य देशों के बीच बदलती रहती है। 2023 में भारत में हो रही इस बैठक का विषय 'एक सुरक्षित(SECURE) एससीओ की ओर' है। 'SECURE' शब्द की अवधारणा का अर्थ है: 'एस' - नागरिकों के लिए सुरक्षा के लिए, 'ई'- आर्थिक विकास, 'सी'- क्षेत्र में संयोजकता, 'यू'- एकता, 'आर'- संप्रभुता और अखंडता के सम्मान और ई' - पर्यावरण संरक्षण।

छठी शंघाई सहयोग संगठन साई नेताओं की बैठक

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक श्री गिरीश चंद्र मुर्मू छठी शंघाई सहयोग संगठन साई नेताओं की बैठक की मेजबानी कर रहे हैं, जो 6 फरवरी को लखनऊ में शुरू होगी। इस आयोजन में भाग लेने वाले एससीओ साई के आठ सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों में से, तीन दिवसीय बहुपक्षीय कार्यक्रम में भारत के सीएजी सहित चार देशों के साई प्रमुखों के भाग लेने की उम्मीद है। भारत के नियंत्रक एवं

महालेखा परीक्षक गिरीश चंद्र मुर्मू "लेखा परीक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करना" विषय पर आठ सदस्य देशों के सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (साई) के बीच चर्चा का नेतृत्व करेंगे

उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल, बैठक का शुभारंभ करेंगे।

इस विषय के अंतर्गत, बैठक में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों द्वारा वर्तमान में डिजिटल प्रौद्योगिकी की दो सबसे बड़ी वैश्विक संवर्धन और समस्या – 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'साइबर सुरक्षा' पर वार्ता करने और अनुभव साझा करने की उम्मीद है।

BSC/SS/TT/4-23